५०२/३४०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी- २४ जून, २०१८)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५) **सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र -२**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं। **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम आवृत्ति, फरवरी - १९९९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''तुमने मेरे से कुछ नहीं छुपाया है इसलिए तुम ब्राह्मण हो।'' (८८)
२. ''हम दोनों के मध्य एक चर्चा पर विवाद है।'' (३९)
३. ''मुझे नरक दिखाओ।'' (९३)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. राजबाई के शरीर में चेतना लौटी। (५८)
२. काठी आपस में बहुत प्रसन्न हुए। (१८)
३. हिमराजभाई को गोपालानन्द स्वामी वल्लभ स्वामी जैसे सिद्ध लगे। (४९)

प्र.३ 'मूर्तिपूजा' (१३-१४) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। [५]

१. विवाह के दिन राजबाईने श्रीजीमहाराज का स्मरण किया तो उन्हें क्या हुआ ? (५७)
२. सत् शब्द का अर्थ क्या है ? कोई एक बताईए। (४२)
३. श्रीजीमहाराज ने वरताल का महन्त किसको बनाया ? (७९)
४. डभाण में महाराज ने किस के नाम से महायज्ञ किए थे ? (४६)
५. बड़ी रामबाई के विवाह किस गाँव में हुआ था ? (२०)

प्र.५ ''वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण : ८'' (५३-५४) - **निरूपण लिखिए।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। [८]

१. क्यारेक वातो रे ..... ऊपर दाबी। (६५)
२. षडक्षरी मंत्र ..... जप एज थाय। (१५)
३. शरणागतपापपर्वतं ..... भजे सदा॥ (३५)
४. अन्यक्षेत्रे ..... भविष्यति॥ (९७) - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''जो मेरा संग करते हैं, उन्हें यह अविनाशी सुख प्रदान करता हूँ।'' (३९)
२. ''हमें सहन करना चाहिए।'' (५२)
३. ''मेरा जन्म तो भगवान की उपासना करने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए हुआ है।'' (१-२)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. ऊना में गुणातीतानन्द स्वामी को फटकारने की लालसा उनके मन में ही रह गई। (३०)
२. श्रीजीमहाराज ने गुलाब और मोगरे की माला अपने गले से उतारकर यज्ञपुरुदासजी को दी। (६२)
३. नडियाद में भगतजी ने बारोट भक्त को फटकारा। (३८)

प्र.९ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) [५]

१. सत्संग में पुनः प्रवेश (३४-३७) २. रुग्णता का आशीर्वाद माँगा (९-१०)

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। [५]

१. 'गुणातीत जागो' ऐसा कहकर किसने किसको उठाया ? (२६)
२. चूना बनाने के लिए क्यों कोई भी सामने नहीं आया ? (११)
३. मन्दिर की अमराई में आम के वृक्षों को देखकर गुणातीतानन्द स्वामी ने क्या कहा ? (१७)
४. वड़ोदरा के हरिभक्त को गोपालानन्द स्वामीने क्या कहा ? (५)
५. जागा स्वामी भगतजी की प्रशंसा करते हुए क्या कहते थे ? (५९)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर **''सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २''** परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे। (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. सत्संग से निष्कासित (३२)

(१) ☐ आठ दिन के पड़ाव

(२) ☐ सत्संग में ले लेने की प्रार्थना की।

(३) ☐ एकान्त में सुख देते थे।

(४) ☐ रेती के ऊपर खडे रहते।

२. प्रसन्नता से दिया गया प्रसाद (२०)

(१) ☐ आपने उसकी भक्ति का फल दिया है। (२) ☐ ठुर्री के प्रसाद से ही खुश हो उठे हैं।

(३) ☐ यह मगस की प्रसादी है। (४) ☐ सभी स्वभाव मिट गए ?

३. सत्संग सुख (४३)

(१) ☐ बहुत सुबह ही वे उन्हें ध्यान करने को कहते। (२) ☐ योग-विधि भी करवाते।

(३) ☐ तीन दिन उपवास और एक दिन भोजन। (४) ☐ उपवास के दिन उन्हें छाछ मांगने के लिए भेजते।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान : अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणिलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे और आचार्य उसे दण्डवत् करे; ऐसा क्यों हैं ?''

उत्तर : जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान : **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''**प्रागजी भक्त** जैसा **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे और **संत** उसे दण्डवत् करे; ऐसा क्यों हैं ?''

१. **जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान :** यह कार्यान्वित करने के लिए संवत् १९५४ में गढ़डा में हरिजयन्ती महोत्सव के अवसर महापुरुषदासजी ने कोठारी महाराज से आग्रह कर भगतजी को गढ़डा में निमंत्रित करने का सूचना पत्र लिखवाया। (५७)

२. **अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा :** वामन द्वादशी के उत्सव के अवसर पर सो दरबार गढ़डा मन्दिर में पधारे। मैदान में चांदनी बंधी हुई थी। उसे देखकर महाराज को प्रागजी भक्त की याद आ गई। (३३)

३. **गढ़डा में जल-झीलनी महोत्सव :** संवत् १८५२ में श्री आचार्य महाराज के परामर्श से योगेश्वरदास ने भगतजी महाराज को वरताल में गुरुपूनम महोत्सव में भाग लेने के लिए निमंत्रित किया। तदनुसार संतों को भी सूचित किया था। (५३)

४. **साक्षात्कार :** नवें दिन रात्रि को भजन में अतिशय प्रकाश दिखाई दिया। उसमें से स्वामी की दिव्य सौम्य मूर्ति प्रकट हुई, जिसके दर्शन हुए। स्वामी ने गेरुए वस्त्र धारण कर रखे थे। (२०)

५. **अड़सठ तीर्थ सद्गुरु चरणों में :** मन्दिर निर्माण का काम चल ही रहा था। धर्मशाला के बाहर पत्थर की कुछ शिलाएँ पड़ी हुई थीं। एक शिला पर मरा हुआ एक पशु पड़ा था। लोगों ने सोचा कि सफाई करने वाला प्रागजी आएगा और मृत पशु को उठाएगा। (१५-१६)

६. **संतत्व की कला :** एक बार महाराज माणावदर जाते हुए रास्ते में जालिया गाँव में ठहरे। संस्था की फूलवाड़ी में विश्राम किया। (१७)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न रविवार, दिनांक - १५ जुलाई, २०१८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें। परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx